VIDEO Play

AUDIO

भजन

सज रहे मेरे श्री राज देखो फूलों से
देखो फूलों से जी देखो फूलों से
छाए रही कैसी बहार देखो फूलों से

दूर दूर से देखो साथी दर्शन करने आए
एहसान तुम्हारे जुबां यह कह ना पाए
मेहरबां हमारे ने की है मेहरबानी
आत्म को जगाने वह लाये अखण्ड वाणी

मैं मंदिर पहुंची जय हो,प्रीतम को देखा जय हो
कोई उनके आगे जय हो,कोई उनके पीछे जय हो
कोई भागी आवे जय हो,कोई दौड़ लगावे जय हो
कोई फूल चढ़ावे जय हो,पिया को रिझावे जय हो
शोभा अति सुन्दर जय हो,मंदिर के अन्दर जय हो
मैं क्या बतलाऊं जय हो,कुछ कह न पाऊं जय हो

प्रीतम से हमें मतलब दुनिया से क्या लेना
नैया लागे किनारे,तूफान से क्या लेना
सज रहे....